महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

सत्र 2023-24

स्नातक - कला संकाय (पास कोर्स)

विषयः- हिन्दी साहित्य

सेमेस्टर – तृतीय, चतुर्थ, पंचम एवं षष्ठ

Scheme of examination

"Scheme of examination for end of semester examination applicable to all undergraduate courses (Pass Course)

The Question paper of semester examination for the Disciplinary centric core Course (DCCC), Discipline Specific elective (DSE), Ability Enhancement Course (AEC), Value Added Course (VAC) and Skill Enhancement Course (SEC) Will be of 70 marks and it will be divided in two parts i.e. Part A and Part-B, Part-A will consist of 10 compulsory question. There Will be at least three questions from each unit and answer to each question shall be limited up to 50 words. Each question will carry two marks, Total 20 Marks.

Part-B will consist of 10 questions. At least three questions from each unit be set and student will have to answer five question, selecting at least one question from each unit. The answer to each question shall be limited to 400 words. Each question carries 10 Marks. Total 50 Marks.

Note: - the students have to pass external theory paper and internal continuous assessment separately.

MDSU 2023-24
UG-HINDI- PASS COURSE
Sem- III

YEAR	SEM	DSCC/DSEC/AEC /SEC/VAC	COURSE CODE	COURSE NOMENTATURE	THEORY/PRACTICAL	CREDIT	EOSE/CA	
II	**III**	**Core-I DSCC**	**Hin 5. III--001**	1 रीतिकालीन काव्य	**THEORY**	**03**	**70+30**	
		SEC-I	**Hin 5. III-002**	1 हिन्दी काव्यांग परिचय	**THEORY**	**02**	**70+30**	

MDSU 2023-24
UG-HINDI- PASS COURSE
Sem- IV

YEAR	SEM	DSCC/DSEC/ AEC/SEC/VAC	COURSE CODE	COURSE NOMENTATURE	THEORY/PRACTICAL	CREDIT	EOSE/CA	
II	**IV**	**Core-I DSCC**	**Hin 5. IV--001**	1 आधुनिक कथा साहित्य	**THEORY**	**03**	**70+30**	
		SEC-1	**Hin 5. IV--002**	1 कथेतर गद्य साहित्य	**THEORY**	**02**	**70+30**	

MDSU 2023-24
G-HINDI- PASS COURSE
SEM V

YEAR	SEM	DSCC/DSEC/AEC/SEC/VAC	COURSE CODE	COURSE NOMENTATURE	THEORY/PRACTICAL	CREDIT	EOSE/CA	
III	V	DSEC-I	Hin 5.V--001	1. आधुनिक काव्य	THEORY	03	70+30	
		DSEC-2	Hin 5.V–002	1.हिन्दी आलोचक और आलोचना	THEORY	03	70+30	
		DSEC-3	Hin 5.V--003	1. भारतीय साहित्य शास्त्र	THEORY	03	70+30	
		SEC-1	Hin 5.V—004	1. साक्षात्कार, स्तंभ एवं फीचर लेखन	THEORY	02	70+30	

MDSU 2023-24
UG-HINDI- PASS COURSE
Sem- Vl

YEAR	SEM	DSCC/DSEC/ AEC/SEC/VAC	COURSE CODE	COURSE NOMENTATURE	THEORY/PRACTICAL	CREDIT	EOSE/CA	
III	**Vl**	**DSEC-1**	**Hin 5.Vl--001**	1 गद्य साहित्य	**THEORY**	**03**	**70+30**	
		DSEC-2	**Hin 5.Vl–002**	1 हिन्दी साहित्य में विविध विमर्श	**THEORY**	**03**	**70+30**	
		DSEC-3	**Hin 5.Vl–00**3	1 पाश्चात्य काव्यशास्त्र	**THEORY**	**03**	**70+30**	
		SEC-1	**Hin 5.Vl–00**4	1 प्रवासी हिन्दी साहित्य	**THEORY**	**02**	**70+30**	

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर

स्नातक (कला संकाय)

विषयः- हिन्दी साहित्य

Sem- III

Core-I DSCC

DSCC/Course Code Hin-5. III-001/ रीतिकालीन काव्य

उद्देश्यः-

1. विद्यार्थियों को रीतिकाल से अवगत कराना
2. आलोचनात्मक क्षमता का विकास करना
3. अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करना

EOSE (अंक विभाजन)

अधिकतम अंक - 70 **समय - 3घण्टे**

इकाई-1

1- केशवदास

(रामचन्द्रिका महाकाव्य- सं. लाला भगवानदीन)

1. सरस्वती -वन्दना
   बानी जगरानी ..... मुख तदपि नई-नई
2. राम-वन्दना
   पूरण पुराण ..... नाम देहि मुक्ति को।।
3. अयोध्या नरेश
   विधि के समान हैं विमानीकृत राजहंस ..... गंगा कैसौ जल है।
4. अरूणोदय
   सातहू दीपनि के अवनीपति ..... तरुपुण्य पुराने ।।
5. धनुर्भंग
   वज्र तें कठोर है, कैलाश ते विशाल, ... राम कैसे ल्यावई।।
   प्रथम टंकोर ..... को शब्द गयो भेदि ब्रह्मांड को ।।
6. परशुराम संवाद
   टूटै टूटनहार तरु .....तिनका नै टूटै।।
   केसव हैहयराज को अंस ..... रघुबंस को सोन सुधा न पियो रे।।
7. पंचवटी वर्णन
   सब जाति फटी ..... धूरजटी वन पंचवटी।।
8. हनुमान लंका -गमन
   हरि कैसो वाहन ..... हनुमान चल्यो लंक कों।।

9. सीता दर्शन
   धरे एक बेनी ..... चारु पीयूष भीनी।।
10. सीता हनुमान संवाद
    कर जोरि ..... लच्छन बताउ।।
11. हनुमान - रावण संवाद
    रे कपि कौन ..... सोवत पातक लेखौं।।
12. हनुमान राम चर्चा
    भौरनि ज्यों ..... मूरत गहति है।।
13. राम-रावण युद्ध
    इंद्र श्री रघुनाथ को ..... लच्छधा छतना करे।।
14. रावण वध
    जेहि सर मधु मद .....कंठ दसौं खंडित करौं।।
15. रामराज्य
    भावै जहाँ विभिचारी वैद्य रमै परनारी .....राजनीति राजै रघुवीर की।।
    लूटिबै के नाते पाप पट्टने तो लूटियतु ..... हारिबे के नाते आन जन्म हारियतु है।।
16. तृष्णा
    निसि बासर वस्तु विचारहि कै ..... बन ही घर है घर ही बन है।।
17. सुखद जीवन
    पण्डित पूत सपूत सुधी ..... मुक्ति यहै चहुं वेद बिचारी।।

2- बिहारी

(बिहारी रत्नाकार ' सम्पादन - जगन्नाथदास रत्नाकर से चयनित दोहे)

1. मेरी भव-बाधा.....हरित-दुति होइ।।
2. मोर-मुकुट की ..... सेखर सत चंद ।।
3. तंत्री-नाद, ... जै बूड़े सब अंग।।
4. कीनै हूं कोटिक ..... पानी मैं कौ लौनु।।
5. अरे हंस या नगर .....कोकिल दर्श बिडारि।।
6. यह बरिया नहिँ ..... कीने पार पयोधि।।
7. कैसे छोटे नरनु ..... कहि चूहे कै चाम।।
8. दिन दस आदरु ..... लगि तौ सनमानु।।
9. कब कौ टेरतु दीन .....जग-बाइ।।
10. नीकी दई अनाकनी ..... बारक बारनु तारि।।
11. प्रगट भये द्विजराज ..... केसब केसवराइ।।
12. मोहिं तुम्हें बाढी ..... निबाहत लाज।।
13. समै-पलट ..... कपूत कालिकाल।।
14. ज्यौं ज्यौं बढ़ति विभावरी, ...कोक-सोक हेमंत।।
15. बसै बुराई जासु ..... खोटैं ग्रह जपु दानु।।
16. अति अगाधु, अति ..... जाकी प्यास बुझाइ।।

17. मरतु प्यास पिंजरा ..... बायस बलि के वेर।।
18. तौ लगि या मन-सदन मैं, ... न कपट-कपाट।।
19. मंगलु बिन्दु, ... किए लोचन जगत।।
20. जोग जुगति सिखए ..... सेवत नैन ।।
21. झीनैं पट में झुलमुली ..... लसति सपल्लव डार।।
22. अजौं तर्यौना ..... मुकुतनु के संग।।
23. तो पर वारौं ..... उरबसी-समान।।
24. लौने मुँहु दीठि ..... दियैं दिठौना दीठि।।
25. कहत, नटत ..... नैननु हीं सब बात।।
26. नेहु न नैननु कौं .....तऊ न प्यास बुझाइ।।
27. जगतु जनायौ जिहिं ..... आँखिन देखी जाँहि।।
28. दीरघ साँस न ..... दई दई सु कबूलि।।
29. पावक सो नयननु ..... बिलौकौ लाल।।
30. मकराकृति गोपाल कैं ..... ड्यौढ़ी लसत निसान।।
31. या अनुरागी चित्त ..... उज्जवलु होइ।।
32. लाज गहौ .....चाहत नाँहि।।
33. जप माला ..... साँचै राँचै रामु।।
34. घरू घरू डोलत ..... बड़ौ लखाइ।।
35. आवत जात न ..... पूस-दिन-मानु।।
36. मैं समुझ्यौं .....लखियतु जहाँ।।
37. बड़े न हूजै गुननु ..... गहनौ गढ्यौ न जाइ।।
38. गिरि ते ऊँचे रसिक ..... प्रेम-पयोधि पगारु।।
39. जिन दिन देखे वे ..... अपत कँटीली डार।।
40. स्वारथु, सृकृतु न ..... पच्छीनु न मारि।।
41. नर की अरु ..... तेतौ ऊँचै होइ।।
42. दुःसह दुराज ..... मिलि मावस रबि - चंदु।।
43. करौ कुबत जगु ..... बसत त्रिभंगी लाल।।
44. नहिं पावसु, ऋतुराजु ..... नव दल फल, फूल।।

3- घनानंद

(घनानन्द ग्रंथावली - सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, बनारस)

सुजान -प्रेम

1. रूपनिधान सुजान सखी .....मनमोहन-मोह के तारे।।
2. झलकै अति सुन्दर ..... मनौ रूप अवै धर च्वै।।
3. हीन भएं जल ..... जोवनि जान हो जानै।।
4. आंखिन मूंदिवो बात ..... मौन-बखान सु देखि लै।।
5. सुधि करैं भूल ..... किरि कौन को।।

6. तब तौ छबि पीवत ..... आनि कै बीच पहार परे।।

7. भए अति निठुर, ... कैसें कल पाय है।।

8. मीत सुजान अनीत करौ ..... दई कित प्यासनि मारत मोही।

9. कारी कूर कोकिला ..... घन घोरि लै।।

10. वहै मुसक्यानि, वहै ..... बेसुधि करति है।।

11. प्रीतम सुजान मेरे हित के निधान ..... कब आनँद को घन बरसाय हौ।

12. अति सुधो सनेह.....देहु छटाँक नहीं।।

13. प्रेम सदा अति ऊँचो लहै ..... हिय आँखिन नेह की पीर तकी।

14. सोएँ न सोयबो जागें न जाग ..... मो मति-संग रहै अति खागी।

15. आँखि ही मेरी पैचेरी भई ..... चायनि बावरि प्रीत की बेरी।

16. रैन दिना घुटिबै करैं प्रान ..... कोऊ सनेह की फाँसी।

17. जिन आखिन रूप ..... विष पागनि है।

18. कौन की सरन जैये ..... आसरो न जित ढूकियै।

19. पीरी परि देह, ... हिय होरी सी।

20. निस-द्यौंस खरी .....मोहिं कराहनि की।

4- देव

('देव ग्रंथावली' सम्पादक हरि मोहन मालवीय)

जीवन-सार-सुधा

1. सूनौ के परम पदु ..... एक बारक कुरै परी।।

2. तेरो कह्यौ करि ..... मारौं एकै बार।।

3. कुल की सी करनी ..... बसन्त की सी जामिनी।।

4. कथा मैं न कंथा ..... परमेसुर प्रतीति मैं।।

5. जिन जान्यौ वेद, ... न कोटिन करिं मरौं।।

6. ऐसी जो हौं ..... बारिधि मैं बोरतो।।

7. झहरि-झहरि झीनी ..... आंसु नै दृगन में।।

8. जब तैं कुंवर ..... बिलोकत बिकानी सी।।

9. बरुनी बघम्बर ..... वियोगिनी की अंखियाँ।।

10. देव सबै सुखदायक ..... किसोर-किसोरी।।

11. भोग भुलाई संजो डुलाइ ..... अकसेत भरेई।

12. रूप को रसिकु ..... कपूत लरिकाई को लड़ाइतो।।

13. मूढ़ रहे मरिकैं ..... साधन देत सराध मरे कौ।

14. हैं उपजे रज ..... अपावन पावन पाँडे।।

15. भाग की भूमि सोहाग को भूषण ..... ते पांछति आँसू।

16. फटिक सिलानि हो ..... को प्रतिबिम्ब सो लगत चंद।।

17. जाके न काम न क्रोध-विरोध ..... कविताहि रचै, कविताहि सराहौं।

18. साँसनि ही सौं समीर गयो ..... हेरि हियौ जु लियौ हरिजूहरि।

19. धार में धाय धंसी निरधार .....अँखियाँ मधु की मखियाँ भई मेरी।

20. औचक अगाध .....समान्यों स्याम रंग मैं।

इकाई- 2

1- सेनापति

(कवित्त रत्नाकर - सेनापति, सं. पं. रमाशंकर शुक्ल)

रामवन्दना

1. मंद मुसकाय कोटि ..... लोक नाइक बखानियै।।
2. धाता जाहि गावै ..... लोक तिलक रिझाइयै।।

ऋतु वर्णन

3. जेठ नजिकाने ..... सम्हारियत हैं।।
4. दामिनि दमक .....सलिल चहुं और तैं।

श्लेष वर्णन

5. दोष सौं मलीन, ... चुनि-चुनि है।।
6. तुकन सहित भले ..... अचूक चापधारी के।।
7. बानी सौं सहित सुबरन ..... कवित्तन की राज कौं।।

श्रृंगार वर्णन

8. केसरि निकाई ..... रसाल झलकत हैं।।
9. तब तैं कन्हाई ..... मत वारे हैं।।
10. कांलिदी की धार ..... तेरे केस हैं।।

रामकथा

11. दीरघ प्रचंड ..... दिगपालन कौं पति है।

ऋतु वर्णन

12. बरन-बरन ..... कहियत है।।
13. सीत कौं..... छिपाई कै।।

श्लेष वर्णन

14. देखैं छिति अंबर ..... बरषा की सम कर्यौ है।
15. राखति न दोषै .....कविताई बिलसति हैं।

श्रृंगार वर्णन

16. सोहै संग आलि .....बैंदी मृगमद की।

नीति परक

17. नीकी मति लेह ..... भाजे रामैं किन लेत है।।
18. कीनौ बालापन बालकेलि ..... सुरसरि नीर कौं।।

2- भूषण

(भूषण ग्रन्थावली सं. देवरस शास्त्री, हिन्दी साहित्य सम्मेलन , प्रयाग)

शिवाजी शौर्य

1. देखत ऊंचाई ..... उज्यारी गढ़ लेत हैं।।
2. पूरब के, उत्तर के, ... घन काज करते।।
3. साजि चतुरंग सेन ..... यों हलत है।।
4. ऊँचे घोर मन्दर ..... वै नगन जड़ाती हैं।।
5. सबन के ऊपर ..... सिपाह-मुख पियरे ।।
6. बेद राखे विदित, ...स्वधर्म राख्यौ घर मैं।
7. गरुड़ को दावा .....दावा सिवराज को।।

छत्रसाल-प्रताप

8. भुज भुजगेस की ..... छीने है खलन के।।
9. चाक चक चमू ..... महेवा महिपाल की।।
10. राजत अखंड तेज ..... सराहौं छत्रसाल को।।

शिवाजी शौर्य

11. इन्द्र जिम जंभ पर बाड़व ..... सेर सिवराज है।
12. तेरौ तेज सरजा..... तेरे कर सौ।
13. कवि कहैं करन ..... निजाम के जितैया कहैं देऊ है।
14. कामिनि कंत सांे ..... खुमान सिवा सों।
15. दारुन दुगुन दुरजोधन ..... अकेलौ आयौ कढ़ि कै।

छत्रसाल प्रताप

16. रैयाराव चंपति को ..... पगारन नगारन के धमके।
17. निकसत म्यान तें मयूखैं .....देति कालकों।

3- मतिराम

(मतिराम ग्रन्थावली - सं. प्र. कृष्ण बिहारी मिश्र, गंगा पुस्तक माला कार्यालय लखनऊ)

दानवीर महिमा

1. सुरजन बंस राव ..... भिखारित के भाग हैं।।
2. दिन-दिन दीने ..... न सुरतरु है।।
3. मौज दरियाव राव ..... दिवान है।।

युद्धवीर

4. सत्ता को सपूत ..... दिवान हिंदुवान को।।
5. सुरजन कै सी ..... महीपाल मैं।।

भक्तिभाव

6. तेरी कह्यो .....लोक के साईं।।
7. गुच्छनि के अवतंस..... नैनहि को फल पायो।।

श्रृंगार वर्णन

8. कुंदन को रंग ..... निकरै सी निकाई
9. सारी जनतारी की ..... जुत बन में।।

प्रकृति वर्णन

10. ग्रीष्म हूं रवि ..... निकट की भूमि।।
11. भौंर भांवरैं भरत ..... सुभ सरसात।।
12. वरषा ऋतुबीतन लगी ..... गवारि की होति।।
13. सूखी सुता पटेल ..... अरहर देखि।।
14. ग्रीष्म ऋतु की दुपहरी .....मलय पवन के पुंज।।

दानवीर महिमा

15. अंगनि उतंग जंग ..... मन ललकत है।।

युद्धवीर

16. कोप कहि संगर मैं ..... भावसिंह होत है।।
17. बाजत नगारे जहाँ..... हाथिर हथ्यार है।।

भक्तिभाव

18. राधामोहन लाल को ..... ताकी आँखिनि खेह।।
19. गोप सुता कहै ..... दया-रस भीजै।।
20. देहि जो ब्याहि उछाह सों ..... सो वह दीजै।
21. विषयनि ते निर्वेद ..... प्रभु पद पंकज प्रेम।।

श्रृंगार वर्णन

22. जा दिन तैं छवि ..... मैं दीप-सिखा-सी।।
23. ज्यौं ज्यौं परसत लाल तन ..... इन्द्रवधू सी होय।।
24. मोरपखा मतिराम किरीट मैं .....अँखियान लुनाई।।

4- वृन्द

(वृन्द नीति सतसई - सं. डॉ. चेलेर, विनोद पुस्तक मंदिर , हॉस्पिटल रोड, आगरा)

1. नीकी पै फीकी ..... सिंगार न सुहात।।
2. फीकी पै नीकी लगै ..... ज्यौं विवाह मैं गारि।।
3. अति परिचै तैं होत .....चंदन देत जराय।।
4. मूरख की पोथी दई, ... अंध के हाथ।।
5. घटति बढ़ति ..... सु रीती होय।।
6. उत्तम जन की ..... राजहंस की चाल।।
7. जो पावै अति ..... होतु है भान।।
8. करै बुराई सुख चहै, ... ते होइ।।
9. धन अरु जीवन ..... बादर की छाँहि।।
10. ओछे नर के ..... सेर समात।।
11. सरसुति के भंडार ..... घटि जात।।
12. दान मान औसर ..... माटी मान।।
13. सुदृढ़ सूर नाहिन ..... ध्वज फहरात।।
14. रहैं न कबहूँ ..... भावै नाहिं।।
15. गहत तत्त्व ग्यानी ..... लेत निकारि।।
16. बिद्या लच्छमी ..... पै एकहि जाय।।
17. जो जैसे तिहि ..... अरबिंद निबास।।
18. कहा बड़े छोटे ..... कौ त्यागि।।
19. मूरख कौ हित के ..... केवल बिस ओप।।
20. इक बिन माँगे ही लहै ..... चोंच भरै न।।
21. भले-बुरे सब एक से ..... बसंत के मांहिं।
22. सबै सहायक सबल के ..... दीपहिं देत बुझाय।
23. नहिं इलाज देख्यौ सुन्यौ ..... तजत विषभाव।
24. स्वारथ के सबही ..... निरस भये उड़ि जाहिं।
25. होय सुद्ध मिटि कलुषता .....लौह कनक ह्वै जाय।
26. सज्जन तजत न सजनता ..... सुरभित करत कुठार।
27. बहुत निबल मिलि ..... निबंधन होय।

28. ऊँचे बैठे ना लहै ..... वायस गरूड़ न होइ।
29. कारज धीरे होत है ..... केतिक सींचै नीर।
30. सब तंै लघु है ..... बावन तन करतार।
31. होय न कारज ..... होत न कहा बिहान।
32. अरि छोटो गनिए नहीं ..... जारत तनक अंगार।
33. छोटे अरि पै चढ़हु ..... नाहर को सामान।
34. बीर पराक्रम ना करै..... बाघ खिलौना होय।
35. भले बुरे छोटे बड़े ..... दधि-मधि सकल बसाय।
36. कोऊ दूर न करि .....धोय न सक्यो कलंक।
37. छल-बल धर्म अधर्म ..... कहा करी जुध रीत।
38. करत करत अभ्यास के .....सिल पर होत निसान।
39. कुल सपूत जान्यो परै ..... होत चीकने पात।
40. बिना सिखाए लेत है ..... गज पर चढत अभीति।
41. बिना कहे हूँ सतपुरूष ..... घर घर करत प्रकाश।
42. कछु कहि नीच न छेड़िये ..... उछरि बिगारै अंग।
43. बिना दिए न मिलै कछू ..... सुरभि सपल्लव होइ।
44. दान दीन को दीजिये ..... जाके रोग सरीर।
45. उत्तम विद्या लीजिये ..... कंचन तजत न कोय।

इकाई-3

रीति का तात्पर्य, रीति बद्ध, रीति सिद्ध और रीति मुक्त काव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख रचनाकार

CA (उपर्युक्त तीन इकाइयों के आधार पर)

अधिकतम अंक - 30

प्रोजेक्ट - 15

मौखिक परीक्षा - 15

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेन्द्र
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3. घनानंद ग्रन्थावली - सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. भूषण ग्रन्थावली - सं. देवरस शास्त्री
5. बिहारी रत्नाकर - सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर
6. कवित्त रत्नाकर - सेनापति - सं. पं. रमाशंकर शुक्ल

7. देव ग्रंथावली - सं. हरि मोहन मालवीय
8. वृन्द नीति सतसई - सं. डॉ. चेलेर
9. मतिराम ग्रंथावली - सं. पं. कृष्ण बिहारी मिश्र

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर

स्नातक (कला संकाय)

विषयः- हिन्दी साहित्य

Sem- III

SEC-1

SEC/Course Code Hin.III-002/ हिन्दी काव्यांग परिचय

उद्देश्यः-

1. भारतीय साहित्य शास्त्र की सामान्य जानकारी प्रदान करना।
2. काव्य के प्रमुख रूपों का परिचय प्रदान करना।
3. आलोचनात्मक क्षमता का विकास करना।

EOSE (अंक विभाजन)

अधिकतम अंक - 70 **समय - 3घण्टे**

इकाई-1

काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन एवं काव्य लक्षण

इकाई-2

काव्य, काव्य के तत्त्व एवं काव्य रूप

इकाई-3

काव्य बिम्ब, काव्य प्रतीक एवं नायक-नायिका भेद

CA (उपर्युक्त तीन इकाइयों के आधार पर)

अधिकतम अंक - 30

प्रोजेक्ट - 15

मौखिक परीक्षा - 15

सहायक ग्रंथ

1. काव्य और काव्य रूप – डॉ. देवदत्त शर्मा
2. भारतीय साहित्य शास्त्र कोश - डॉ. राजवंश सहाय 'हीरा'
3. भारतीय काव्य शास्त्र - बलदेव उपाध्याय
4. काव्य दर्पण - रामदहिन मिश्र
5. साहित्य सिद्धांत - राम अवध द्विवेदी

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

स्नातक (कला संकाय)

विषयः- हिन्दी साहित्य

Sem – IV

Core-1 DSCC

DSCC/Course Code Hin-5.IV-001/ आधुनिक कथा साहित्य

उद्देश्यः-

1. आधुनिक कथा साहित्य का परिचय
2. कहानी एवं उपन्यास विधा का परिचय एवं इतिहास की जानकारी
3. रचनात्मक लेखन क्षमता का विकास

EOSE (अंक विभाजन)

अधिकतम अंक - 70 समय - 3घण्टे

इकाई-1

1. हिन्दी कहानी एवं उपन्यास का उद्भव एवं विकास
2. कहानी एवं उपन्यास के तत्त्व एवं भेद
3. प्रमुख कहानीकार एवं उपन्यासकार का परिचय

इकाई- 2

1. उसने कहा था - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी, समालोचक पत्र, जयपुर।
2. पुरस्कार - जयशंकर प्रसाद, भारती भवन, इलाहाबाद।
3. पूस की रात -प्रेमचन्द, प्रेमचन्द की सम्पूर्ण कहानियाँ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. ताई - विश्वम्भरनाथ शर्मा कौशिक, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
5. नशा - मन्नू भण्डारी, सम्पादक सुरेशचन्द्र, फैं्रक एण्ड ब्रदर्स, दिल्ली।
6. मेरा घर कहाँ -नासिरा शर्मा, खुदा की वापसी (कहानी संग्रह), वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. खोई हुई दिशाएँ - कमलेश्वर, कमलेश्वर की प्रतिनिधि कहानियाँ, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।

इकाई-3

1. उपन्यास - राग दरबारी - श्री लाल शुक्ल

CA (उपर्युक्त तीन इकाइयों के आधार पर)

अधिकतम अंक -30

प्रोजेक्ट -15

मौखिक परीक्षा-15

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेन्द्र
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य शुक्ल
3. हिन्दी कहानी का इतिहास - डॉ. मधुरेश
4. हिन्दी कहानी का इतिहास - डॉ. गोपाल राय
5. हिन्दी कहानी के सौ वर्ष - डॉ. वेद प्रकाश अमिताभ
6. कहानी नयी कहानी - नामवर सिंह
7. हिन्दी-उपन्यास एक अन्तर्यात्रा - रामदरश मिश्र
8. हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी
9. हिन्दी उपन्यास का इतिहास - डॉ. गोपाल राय

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

स्नातक (कला संकाय)

विषयः- हिन्दी साहित्य

विषयः- हिन्दी साहित्य

Sem – IV

SEC-1

SEC/Course Code Hin-5.IV-002/ कथेतर गद्य साहित्य

उद्देश्यः-

1. गद्य की विविध विधाओं से अवगत कराना
2. आलोचनात्मक क्षमता का विकास
3. सृजनात्मक क्षमता का विकास

EOSE (अंक विभाजन)

अधिकतम अंक - 70 **समय - 3घण्टे**

इकाई- 1

1. आत्मकथा एवं जीवनी - अर्थ एवं स्वरूप
2. आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य - परम्परा और विकास
3. बच्चन की आत्मकथा (संक्षिप्त) - संक्षेपण - अजित कुमार

इकाई- 2

1. रेखाचित्र - अर्थ एवं स्वरूप, रेखाचित्र साहित्य परम्परा और विकास
2. रजिया - रामवृक्ष बेनीपुरी
3. यह सड़क बोलती है-कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर
4. तू तो मुझसे भी अभागा है - शांतिप्रिय द्विवेदी
5. अष्टावक्र - विष्णु प्रभाकर

इकाई-3

1. संस्मरण -अर्थ एवं स्वरूप, संस्मरण साहित्य - परम्परा और विकास
2. भक्तिन - महादेवी वर्मा
3. बसंत का अग्रदूत -अज्ञेय
4. अदम्य जीवन - रांगेय राघव
5. बर्फ का पानी - प्रेम जनमेजय

6. अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा- राहुल सांकृत्यायन

CA (उपर्युक्त तीन इकाइयों के आधार पर)

अधिकतम अंक -30

प्रोजेक्ट -15

मौखिक परीक्षा-15

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका - लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
3. हिन्दी गद्यः बिन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. छायावादोत्तर हिन्दी गद्य साहित्य- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. हिन्दी वाङ्मय बीसवीं शताब्दी - डा॔. नगेन्द्र
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. महादेवी का गद्य साहित्य - माखन लाल शर्मा
8. रेखाएँ और रेखाएँ-सं. सुधाकर पाण्डेय
9. घुमक्कड़ शास्त्र-राहुल सांकृत्यायन

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

स्नातक (कला संकाय)

विषयः- हिन्दी साहित्य

Sem-V

DSEC-1

DSEC/Course Code Hin-5.V-001/ आधुनिक काव्य

उद्देश्यः-

1. आधुनिक काव्य की जानकारी प्रदान करना।
2. आलोचनात्मक क्षमता का विकास करना।
3. अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करना।

EOSE (अंक विभाजन)

अधिकतम अंक - 70 **समय - 3घण्टे**

इकाई-1

1. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

I. इन्द्र का गर्वहरण (प्रिय प्रवास, साहित्य कुटीर, वाराणसी)

II. 'एक बूंद', 'एक तिनका' कविताएँ (चुभते-चैपदे और चोखे-चैपदे काव्य संग्रह से, साहित्य कुटीर वाराणसी)

2. मैथिलीशरण गुप्त

I. सखि, वे मुझसे कहकर जाते (यशोधरा, साहित्य सदन, चिरगाँव, झांसी)

II. साकेत (नवम् सर्ग)

3. जयशंकर प्रसाद

I. श्रद्धा सर्ग (कामायनी , भारती भवन, इलाहाबाद)

4. सुमित्रानन्दन पंत

I. नौका विहार (राश्मिबंध काव्य-संग्रह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

II. परिवर्तन (राश्मिबंध काव्य-संग्रह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

5. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

I. जागो एक बार- 1 (निराला रचनावली, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

II. बादल राग-1 (निराला रचनावली, राजकमल, प्रकाशन, दिल्ली)

6. रामधारी सिंह दिनकर

I. कुरुक्षेत्र (छठा सर्ग) राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

इकाई- 2

1. गजानन्द माधव 'मुक्तिबोध'

I. लकड़ी का रावण ('चाँद का मुँह टेढ़ा है' काव्य संग्रह से, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली)

II. भूल-गलती ('चाँद का मुँह टेढ़ा है' काव्य संग्रह से, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली)

2. धर्मवीर भारती

I. कनुप्रिया (प्रारम्भिक तीन गीत) भारतीय ज्ञान पीठ प्रकाशन , नई दिल्ली

3. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन'अज्ञेय'

I. हरी घास पर क्षण भर ('इत्यलम् काव्य संग्रह से')

II. बावरा अहेरी (बावरा अहेरी काव्य संग्रह से, रंजना प्रकाशन, आगरा)

4. महादेवी वर्मा

I. दीपशिखा से प्रारम्भिक तीन गीत , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

5. नरेश मेहता

I. सूर्योदय: एक संभावना (जहाँ-जहाँ क्षितिज है) संवाद प्रकाशन, मेरठ

II. वैष्णव यात्रा (जहाँ-जहाँ क्षितिज है) संवाद प्रकाशन, मेरठ

इकाई- 3

1. आधुनिक काव्य का प्रवृत्तिगत इतिहास एवं कवियों का संक्षिप्त परिचय।
2. रस-परिभाषा, स्वरूप, उद्भव, रसावयव, रस निष्पत्ति एवं साधारणीकरण।

CA (उपर्युक्त तीन इकाइयों के आधार पर)

अधिकतम अंक - 30

प्रोजेक्ट - 15

मौखिक परीक्षा - 15

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
2. भारतीय काव्य शास्त्र- बलदेव उपाध्याय
3. आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ- डॉ.नगेन्द्र
4. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह
5. हिंदी काव्य धारा - राहुल सांकृत्यायन

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

स्नातक (कला संकाय)

विषयः- हिन्दी साहित्य

Sem-V

DSCC-2

DSCC/Course Code Hin-5.V-002/ हिन्दी आलोचक और आलोचना

उद्देश्यः-

1. आलोचक और उनकी आलोचनात्मक दृष्टि से परिचित कराना।
2. चिंतन के क्षितिज का विस्तार करना।
3. आलोचनात्मक क्षमता का विस्तार करना।

EOSE (अंक विभाजन)

अधिकतम अंक - 70 **समय - 3घण्टे**

इकाई- 1

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - आचार्य शुक्ल की आलोचना दृष्टि तुलसीदास और सूरदास के सन्दर्भ में।
2. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी- भक्तिकाल और कबीरदास संबंधी उनकी आलोचनात्मक दृष्टि।

इकाई- 2

1. डॉ. रामविलास शर्मा- रामविलास शर्मा की दृष्टि में प्रेमचंद
2. डॉ. नगेन्द्र- डॉ. नगेन्द्र की रीतिकाल संबंधी मान्यताएँ

इकाई- 3

1. डॉ. नामवर सिंह - नामवर सिंह के छायावाद संबंधी दृष्टिकोण
2. डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी - प्रसाद और कामायनी संबंधी उनकी आलोचनात्मक दृष्टि

CA (उपर्युक्त तीन इकाइयों के आधार पर)

अधिकतम अंक - 30

प्रोजेक्ट - 15

मौखिक परीक्षा - 15

सहायक ग्रंथ

1. त्रिवेणी - रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. प्रेमचन्द और उनका युग - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. रीतिकाव्य की भूमिका डॉ. नगेन्द्र, नेशनल प्रकाशन, दिल्ली
6. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

स्नातक (कला संकाय)

विषयः- हिन्दी साहित्य

Sem-V

DSEC-3

DSEC/Cours Code Hin-5.V-003/ भारतीय साहित्य शास्त्र

उद्देश्य

1. भारतीय साहित्य शास्त्र का ज्ञान
2. रचनात्मक क्षमता का विकास
3. आलोचनात्मक क्षमता का विकास

EOSE (अंक विभाजन)

अधिकतम अंक - 70 **समय - 3घण्टे**

इकाई- 1

1. रस सिद्धांत - रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण
2. ध्वनि सिद्धांत - ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि सिद्धांत की स्थापना, ध्वनि एवं ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद।

इकाई- 2

1. अलंकार सिद्धांत- अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार सिद्धांत एवं अन्य सम्प्रदाय
2. रीति सिद्धांत - रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण

इकाई-3

1. वक्रोक्ति सिद्धांत - वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद
2. औचित्य सिद्धांत - औचित्य की अवधारणा, रस ध्वनि और औचित्य एवं औचित्य के प्रभेद

CA (उपर्युक्त तीन इकाइयों के आधार पर)

अधिकतम अंक - 30

प्रोजेक्ट - 15

मौखिक परीक्षा - 15

सहायक ग्रंथ

1. भारतीय काव्य शास्त्र – डॉ. तारक नाथ बाली
2. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र
3. हिन्दी अलंकार साहित्य का शास्त्रीय विवेचन - ओमप्रकाश
4. काव्य दर्पण - राम दहिन मिश्र
5. रस सिद्धांत - स्वरूप और विश्लेषण -आनंद प्रकाश दीक्षित
6. काव्य तत्त्व विमर्श - राममूर्ति त्रिपाठी
7. भारतीय साहित्य शास्त्र - बलदेव उपाध्याय

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

स्नातक (कला संकाय)

विषयः- हिन्दी साहित्य

Sem-V

SEC-1

SEC/ Course Code Hin-5.-004/ साक्षात्कार, स्तंभ एवं फीचर लेखन

उद्देश्यः-

1. सर्जनात्मक लेखन की विविध विधाओं से परिचय।
2. अभिव्यक्ति क्षमता का विकास।
3. रचनात्मक क्षमता का विकास।

EOSE (अंक विभाजन)

अधिकतम अंक - 70 **समय - 3घण्टे**

इकाई- 1

साक्षात्कार (इण्टरव्यू/भेंटवार्ता): उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि एवं महत्त्व।

इकाई- 2

स्तंभ लेखन: सामाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, समाचार पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन। सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट।

इकाई- 3

फीचर लेखन, विषय चयन, सामग्री निर्धारण, लेखन प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।

CA (उपर्युक्त तीन इकाइयों के आधार पर)

अधिकतम अंक - 30

प्रोजेक्ट - 15

मौखिक परीक्षा - 15

सहायक ग्रंथ

1. फीचर लेखन: स्वरूप और शिल्प- मनोहर प्रभाकर
2. रचनात्मक लेखन - सं. रमेश गौतम
3. सृजनात्मक लेखन- डॉ. आनंद पाटील
4. सृजनात्मक लेखन के आयाम - हरीश अरोड़ा
5. जनसंचार और रचनात्मक लेखन - डॉ.आलोक रंजन पाण्डेय

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

स्नातक (कला संकाय)

विषयः- हिन्दी साहित्य

ैमउ दृ ट

क्ैम्ब्.3

क्ैम्ब्ध् ब्वनतेम ब्वकम भ्पद.5ण्ट.003ध् भारतीय साहित्य शास्त्र

उद्देश्य

1. भारतीय साहित्य शास्त्र का ज्ञान
2. रचनात्मक क्षमता का विकास
3. आलोचनात्मक क्षमता का विकास

म्व्ैम् (अंक विभाजन)

अधिकतम अंक - 70 समय - 3घण्टे

इकाई 1

1. रस सिद्धांत - रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण
2. ध्वनि सिद्धांत - ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि सिद्धांत की स्थापना, ध्वनि एवं ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद।

इकाई 2

1. अलंकार सिद्धांत- अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार सिद्धांत एवं अन्य सम्प्रदाय
2. रीति सिद्धांत - रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण

इकाई 3

वक्रोक्ति सिद्धांत - वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद

औचित्य सिद्धांत - औचित्य की अवधारणा, रस ध्वनि और औचित्य एवं औचित्य के प्रभेद

ब्। (उपर्युक्त तीन इकाइयों के आधार पर)

अधिकतम अंक - 30

प्रोजेक्ट - 15

मौखिक परीक्षा - 15

सहायक ग्रंथ

1. भारतीय काव्य शास्त्र - डाॅ. तारक नाथ बाली
2. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका - डाॅ. नगेन्द्र
3. हिन्दी अलंकार साहित्य का शास्त्रीय विवेचन - ओमप्रकाश
4. काव्य दर्पण - राम दहिन मिश्र
5. रस सिद्धांत - स्वरूप और विश्लेषण -आनंद प्रकाश दीक्षित
6. काव्य तत्त्व विमर्श - राममूर्ति त्रिपाठी
7. भारतीय साहित्य शास्त्र - बलदेव उपाध्याय

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

स्नातक (कला संकाय)

विषयः- हिन्दी साहित्य

Sem- VI

DSEC-3

DSEC/Course Code Hin-5. VI-001/ गद्य साहित्य

उद्देश्य

1. गद्य साहित्य का परिचय
2. नाटक, एकांकी एवं निबंध विधा का परिचय एवं इतिहास की जानकारी
3. रचनात्मक लेखन क्षमता का विकास

EOSE (अंक विभाजन)

अधिकतम अंक - 70 **समय - 3घण्टे**

इकाई- 1

1. नाटक - अर्थ, स्वरूप, तत्त्व एवं उद्भव व विकास
2. आषाढ़ का एक दिन - मोहन राकेश

इकाई- 2

एकांकी - अर्थ, स्वरूप, तत्त्व एवं उद्भव व विकास

1. नया-पुराना - उपेन्द्र नाथ 'अश्क', नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
2. बीमार का इलाज-उदयशंकर भट्ट, सरस्वती प्रिंटिंग प्रेस मौजपुर, दिल्ली
3. दीपदान-रामकुमार वर्मा, प्रेरक एकांकी, महेश बुक डिपो, जयपुर
4. भोर का तारा-जगदीश चन्द्र माथुर, सात एकांकी, सं. डॉ. श्रीमती ज्ञानेश्वरी जोशी, प्रकाशन भूमिका , पुरानी मंडी, अजमेर।
5. सबसे बड़ा आदमी-भगवती चरण वर्मा, मेरे नाटक, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

इकाई-3

निबंध - अर्थ, परिभाषा, प्रकार, उद्भव एवं विकास

1. साहित्य जनसमूह के हृनदय का विकास है-बालकृष्ण भट्ट, प्रतिनिधि निबंध संग्रह, सं. एम.एल. गोयल

2. कवि कर्तव्य -महावीर प्रसाद द्विवेदी, चेतना का संस्कार, सं. डॉ. विश्वनाथ प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. तुलसी के सामाजिक मूल्य- डॉ. रामविलास शर्मा, आधुनिक निबंध, सं.- डॉ. विश्वनाथ, ज्ञान भारती प्रकाशन।
4. मानस की धर्म भूमि-आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, चिंतामणि भाग-1, इंडियन प्रेस, इलाहाबाद
5. पार्थिव धर्म, विद्या निवास मिश्र, आंगन का पंछी और बनजारा मन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

CA (उपर्युक्त तीन इकाइयों के आधार पर)

अधिकतम अंक - 30

प्रोजेक्ट - 15

मौखिक परीक्षा - 15

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेन्द्र
2. वाङ्मय विमर्श - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
3. हिन्दी का गद्य साहित्य-रामचन्द्र तिवारी
4. प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार-विभुराम मिश्र
5. हिंदी गद्यः विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. एकांकी और एकांकीकार - रामचरण महेन्द्र
7. हिन्दी नाटक - बच्चन सिंह
8. आधुनिकता और मोहन राकेश - डॉ. उर्मिला मिश्र

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

स्नातक (कला संकाय)

विषयः- हिन्दी साहित्य

Sem – VI

DSEC-1

DSEC/ Course Code Hin-VI-002/ हिन्दी साहित्य में विविध विमर्श

उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को विविध विमर्श की जानकारी प्रदान करना।
2. रचनात्मक लेखन क्षमता का विकास करना।
3. चिंतन के नए क्षितिज का विस्तार करना।

EOSE (अंक विभाजन)

अधिकतम अंक - 70 **समय - 3घण्टे**

इकाई- 1

विमर्शों की सैद्धांतिकी -

1. दलित विमर्श - अवधारणा और आन्दोलन
2. स्त्री विमर्श: अवधारणा और मुक्ति आन्दोलन (पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ)
3. आदिवासी विमर्श: अवधारणा और आंदोलन

इकाई- 2

विमर्श मूलक कथा साहित्य -

1. ओमप्रकाश वाल्मीकि - सलाम
2. जय प्रकाश कर्दम – नौ बार
3. हरिराम मीणा - धूणी तपे तीर पृष्ठ संख्या 158-167
4. मोहनदास नैमिशराय - मुक्ति पर्व (उपन्यास) (पृष्ठ 24-33)
5. नासिरा शर्मा - खुदा की वापसी
6. सुमित्रा कुमारी सिन्हा-व्यक्तित्व की भूख

इकाई- 3

विमर्श मूलक कविता -

1. **दलित कविता -**
   I. अछूतानंद (दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे)

II. नगीना सिंह (कितनी व्यथा)
III. कालीचरण सनेही (दलित विमर्श)
IV. माता प्रसाद (सोनवा का पिंजरा)

2. स्त्री कविता -

I. कीर्ति चैधरी - सीमा रेखा,
II. कात्यायनी - सात भाइयों के बीच चम्पा
III. सविता सिंह - मैं किसकी औरत हूँ
IV. अनामिका - स्त्रियाँ

3. आदिवासी कविता -

I. निर्मला पुतुल- आदिवासी स्त्रियाँ
II. महादेव टोप्पो-सबसे बड़ा खतरा
III. वाहरु सोनवाने -स्टेज

CA (उपर्युक्त तीन इकाइयों के आधार पर)

अधिकतम अंक - 30

प्रोजेक्ट - 15

मौखिक परीक्षा - 15

सहायक ग्रंथ

1. स्त्री विमर्श का कालजयी इतिहास -सं. संजय गर्ग
2. स्त्री -विमर्श की उत्तर गाथा – डॉ. अनामिका
3. स्त्री मुक्ति संघर्ष और इतिहास - रमणिका गुप्ता
4. आदिवासी अस्मिता का संकट - रमणिका गुप्ता
5. आदिवासी विमर्श और हिन्दी साहित्य - डॉ. कुमार वीरेन्द्र
6. विमर्श के विविध आयाम - डॉ. अर्जुन चव्हाण
7. दलित साहित्य - अनुभव, संघर्ष एवं यथार्थ - डॉ. ओमप्रकाश वाल्मीकि
8. दलित चेतना की पहचान - डॉ. सूर्यनारायण रणसुंभे

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

स्नातक (कला संकाय)

विषयः- हिन्दी साहित्य

Sem – VI

DSEC-1

DSEC/ Course Code Hin-5.VI-003/ पाश्चात्य काव्यशास्त्र

उद्देश्य

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की जानकारी प्रदान करना।
2. आलोचनात्मक क्षमता का विकास।
3. चिंतन के नवीन क्षितिज का विस्तार करना।

EOSE (अंक विभाजन)

अधिकतम अंक - 70 **समय - 3घण्टे**

इकाई- 1

1. प्लेटो - काव्य सत्य और अनुकरण सिद्धांत
2. अरस्तू - अनुकरण, त्रासदी एवं विरेचन सिद्धांत

इकाई- 2

1. लोंजाइनस - काव्य में उदात्त की अवधारणा
2. कॉलारीज लारिज - कल्पना और फैन्टेसी

इकाई- 3

1. टी.एस. एलियट - परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
2. आई. ए. रिचर्डस- मूल्य सिद्धांत और संप्रेषण सिद्धांत

CA (उपर्युक्त तीन इकाइयों के आधार पर)

अधिकतम अंक - 30

प्रोजेक्ट - 15

मौखिक परीक्षा - 15

सहायक ग्रंथ

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र -डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा

2. पाश्चात्य साहित्य चिंतन - डॉ. निर्मला जैन
3. पाश्चात्य काव्य शास्त्र - डॉ. तारक नाथ बाली
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा- डॉ. राचन्द्र तिवारी
5. पाश्चात्य काव्य शास्त्र - डॉ. सत्यदेव

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

स्नातक (कला संकाय)

विषयः- हिन्दी साहित्य

Sem – VI

SEC-1

SEC/ Course Code Hin-VI-004/ प्रवासी हिन्दी साहित्य

उद्देश्य

1. हिन्दी भाषा एवं साहित्य के वर्तमान एवं भविष्य की परख करना।
2. आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक दृष्टि का विकास करना।
3. चिंतन के क्षितिज का विस्तार करना।

EOSE (अंक विभाजन)

अधिकतम अंक - 70 **समय - 3घण्टे**

इकाई-1

1. प्रवासी हिन्दी साहित्य - अवधारणा, विकास, प्रवृत्तियाँ एवं चुनौतियाँ
2. उपन्यास-शाम भर बातें-दिव्या माथुर

इकाई- 2

कहानियाँ -

1. जकिया जुबेरी -सांकल
2. जय वर्मा-गुलमोहर
3. तेजेन्द्र शर्मा - कब्र का मुनाफा
4. सुधा ओम ढींगरा - कौन-सी जमीन अपनी
5. अभिमन्यू अनत – मातमपुर्सी
6. इला प्रसाद - कैक्टस के फूल

इकाई- 3

कविताएँ -

1. पुष्पिता अवस्थी - ताबूत
2. डॉ. पद्मेश गुप्ता - माथे की शिकन
3. हरिशंकर आदेश - कहे पुकार के

4. वेद प्रकाश 'बटुक' - होली के रंग
5. अचला शर्मा - परदेश में बसंत की आहट

CA (उपर्युक्त तीन इकाइयों के आधार पर)

अधिकतम अंक - 30

प्रोजेक्ट - 15

मौखिक परीक्षा - 15

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी का प्रवासी साहित्य (अमित प्रकाशन, नई दिल्ली) - कमल किशोर गोयनका
2. प्रवासी संसार - सं. राकेश पाण्डेय, दिल्ली
3. प्रवासी कहानियाँ - सं. हिमांशु जोशी, साहित्य अकादमी
4. वर्तामान साहित्य (प्रवासी साहित्य विशेषांक)-सं. कुंवरपाल सिंह, अलीगढ़
5. समकालीन कथा साहित्य: सरहदें व सरोकार, डॉ. रोहिणी अग्रवाल - आधार प्रकाशन, पंचकुला।
6. प्रवासी हिन्दी कहानीः एक अन्तर्यात्रा -सं. सुषमा आर्य, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।